obtinere. MAN. 7.40.: वनस्था अपि राज्यानि विनयात् प्रतिपेदिरे· 3) comperire, cognoscere. N. 18.16.: न नृपतिर् भीमः प्रतिपद्येत मे मतिम्· 4) recuperare, recipere. SA. 5.32.: स्वम् एव राज्यम् प्रतिपत्स्यते ऽचिरात्· 5) reddere, restituere. MAN. 8.183.: स यदि प्रतिपद्येत यथा न्यस्तम्· 6) respondere. R. Schl. I. 10.15.: तच् छ्रुत्वा तथे 'ति प्रत्यपद्यत· 7) promittere. UP. 77.: सर्वम् बनिक्त तत् प्रत्यपद्यत; Lass. 4.5.24.2.44.9. 8) facere. MAH. 2.1420.: यत् प्रतिपत्तव्यम् तन् मे ब्रूहि; 4.705.: मे समयम् प्रतिपद्यस्व; *c. 2. accus.* RAGH. 11.79.: तदनुग्रहणम् एव राघवः प्रत्यपद्यत समर्थम् उत्तरम्· — *Caus.* 1) facere ut alqs aggrediatur, perveniat, obtineat. R. Schl. II. 74.6.: अयशो जीवलोके त्वया 'हम् प्रतिपादितः· 2) dare, tradere. MAN. 11.6.: धनानि विप्रेषु प्रतिपादयेत्; MAH. 1.5213.: गृहन् तस्य प्रत्यपादयत·

c. प्रति praef. वि averti. BH. 2.53.: श्रुतिविप्रतिपन्ना ... बुद्धिः·

c. प्रति praef. सम् *Caus.* dare, tradere. M. 13.; मे ऽद्य 'न्यत् स्थानं सम्प्रतिपादय·

c. वि perire. HIT. 4.46.: बह्वशत्रुर् विपद्यते; R. Schl. II. 64.68. — विपन्न calamitate afflictus. HIT. 13.15.

c. सम् 1) adire, aggredi, pervenire. BH. 13.30.: ब्रह्म सम्पद्येत सः· 2) oriri, nasci. MAH. 1.3143.: पुरूरवा इलायां समपद्यत; 1.2995.: स सर्वदमनो नाम कुमारः समपद्यत· 3) fieri, effici. A. 9.10.: स देशः ... गुहे व समपद्यत; MAH. 2.942.: समपद्यन्त विस्मिताः; N. 16.3.: अस्मिन् कर्मणि सम्पन्ने; HIT. 104.2.: कथम् अमुना स्वल्पबलेन 'तत् सम्पत्स्यते· 4) obtingere, obvenire. UR. 41.9.: सम्पद्यते पुनर् भवतः· — सम्पन्न praeditus. BR. 1.27.: शीलसम्पन्ना· — *Caus.* facere, perficere, explere. RAGH. 7.26.: स्वसुः ... सम्पाद्य पाणिग्रहणं स राजा; MAH. 3.15278.: मम स्पृहां सम्पादय; UR. 47.4. infr.: सम्पादितम् प्रियप्रसादनव्रतम्·

c. सम् praef. उप उपसम्पन्न *act.* aggressus. MAN. 5.81.; *pass.* praeditus. N. 12.26. — *Caus.* afferre. R. Schl. II. 25.26.: समिधश्चो 'पसम्पादयामास·

2. पद् 10. *A.* पदये ire.

3. पद् 1. *P.* (स्थैर्ये) firmum esse. *Cf.* बद्·

4. पद् *m.* (r. पद् ire) pes. SA. 3.3. N. 13.12. (Gr. ΠΟΔ, *πούς*, lat. *PED, pes*; v. पद्, पाद्·)

पद *n.* (r. पद् ire s. अ) 1) pes. A. 9.6. 2) gradus, gressus, passus. IN. 5.9. 3) versuum sectio, articulus. BH. 13.4. 4) locus, regio, provincia. SA. 7.7. BH. 15.5. (Gr. *πέδον.*)

पदवी *f.* via. DR. 6.19.

पदाति *m.* (e पद et अति vel आति a r. अत् ire) pedes, miles pedester. N. 26.2.; *v. sq.*

पदातिन् *m.* (e पद et आतिन् a r. अत् ire s. इन्) *id.* DR. 2.12.

पद्धति *f.* (ut videtur, e पद् pes et धति pro धाति, a r. धा ponere) via. RAGH. 3.46.

पद्म *m.n.* 1) lotus flos (Wils. Nelumbium speciosum). 2) magnus numerus, decem billiones.

पद्मराग *m.* (loti colorem habens. *BAH.* e praec. et राग color) rubinus. HIT. 8.3.

पद्मलोचन (*BAH.* e पद्म lotus et लोचन oculus) loto similes oculos habens. IN. 2.31.

पद्मा *f.* (*fem.* τοῦ पद्म) cognomen deae *Lakšmiae.* HIT. 57.13.

पद्मिनी *f.* (a पद्म s. इन् in *fem.*) nymphaearum multitudo, lacus nymphaeis abundans. N. 13.10. 16.15.

पन् *P. A.* (पनायामि, पनाये, PAN. III. 1.28.; refertur ad 1^{mam} classem, quanquam analogiam classis 10^{mae} sequitur, producto अ initiali characteris अय; in dialecto Vêd. tamen haec productio omittitur) laudare, celebrare. RIGV. 20.6. not.: तत् पनयद् वचो वः «illud comprobavit sermonem vestrum»; 87.3.: स्वयम् महित्वम् पनयन्त धूतयः «ipsi potentiam *suam* declarant quassatores».

पन्थ् 10. *P.* (scribitur पथ्, gr. 110[a].) ire. *V.* पथ्, पन्थन्, पथिन्·